हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I.No.-UPHIN/2012/47484

जन नायक सम्राट

सच के साथ : सच्ची बात

www.jnsnews24.com

jnsnews24aligarh@gmail.com

वर्ष : 11 अंक : 42 | अलीगढ़, बुधवार, 6 दिसम्बर 2023 | पृष्ठ : 4, मूल्य : 2 रूपये

तीन राज्यों में कांग्रेस को सन्निपात : कमल की चमक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच राज्यों में हुए चुनावों के लिए मतगणना में राजस्थान, मध्यप्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में चुनाव परिणाम आने शुरू हो गए है। समाचार लिखे जाने तक राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड जीत की ओर अग्रसर दिखी। दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया है। इसी बीच तेलंगाना में कांग्रेस बहुमत की ओर बढ़ती दिख रही है। शुरुआती रुझानों की अगर बात करें तो तेलंगाना में कांग्रेस लगातार आगे चल रही है। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी कार्यालय में अपनी जीत का जश्न मनाया और एक दूसरे को मिठाई बांटी।

भारत निर्वाचन आयोग के मुताबिक, मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को अब तक 48.80 फीसदी वोट मिले हैं। जबकि, कांग्रेस 40.34 फीसदी वोट शेयर के साथ दूसरे स्थान पर है। तीसरे पायदान पर बहुजन समाज पार्टी 3.25 फीसदी है। इस दौरान आप, एआइएडीएमके, जनता दल यूनाइटेड, समाजवादी पार्टी समेत कई दल नोटा का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके हैं।

शाम पांच बजे तक छत्तीसगढ़ में बीजेपी 90 सीटों में से 53 पर आगे चल रही है जबकि कांग्रेस 35 पर है। मध्य प्रदेश में बीजेपी 230 सीटों में 167 पर आगे चल रही है और कांग्रेस के खाते में अभी 61 सीटे आई हैं। वहीं राजस्थान की 199 सीटों में बीजेपी 116 पर और कांग्रेस 68 सीटों पर बनी हुई है। इससे साफ हो गया है कि तीनों राज्यों में बीजेपी सरकार बनेगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिली है। इसका उत्साह देश के कई हिस्सों में देखने को मिल रहा है। भाजपा खंड के लोगों के बीच जश्न का माहौल है। इस प्रचंड जीत पर पार्टी के नेताओं ने अलग–अलग तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की है और खुशी जाहिर की है

पीएम मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जनता–जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है। भाजपा पर अपना स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए मैं इन सभी राज्यों के परिवारजनों का, विशेषकर माताओं–बहनों–बेटियों का, हमारे युवा वोटर्स का हृदय से धन्यवाद करता हूं।'

उन्होंने लिखा, 'मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे। इस अवसर पर पार्टी के सभी परिश्रमी कार्यकर्ताओं का विशेष रूप से आभार! आप सभी ने अद्भभुत मिसाल पेश की है। भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है। हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमें ना रुकना है, ना थकना है। हमें भारत को विजयी बनाना है। आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है।'

हार के बाद यूपी कांग्रेस के प्रवक्ता ने ईवीएम पर सवाल उठा दिए है। यूपी कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी कहते हैं, श्हम बार–बार कह रहे हैं कि ईवीएम पर विचार–विमर्श की जरूरत है। सभी राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग के सामने यह सवाल उठाया है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का लोकतंत्र पर भरोसा कायम रहे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी के शानदार प्रदर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास पर जनता की मुहर और कांग्रेस के तुष्टिकरण, अराजकता तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनादेश करार दिया। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''खम्मा घणी राजस्थान! राजस्थान में भाजपा की भव्य विजय के लिए प्रदेश की जनता को हार्दिक धन्यवाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की जनता ने सेवा, सुशासन और विकास पर मुहर लगाई है।

कांग्रेस के तुष्टिकरण, अराजकता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध यह जनादेश प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण का नया सवेरा है।'' एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ महतारी की जय! भाजपा को मिला यह जनादेश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता के विश्वास की मुहर है। यह परिणाम दर्शाता है कि कांग्रेस के भ्रष्टाचार, अराजकता, वादाखिलाफी और तुष्टिकरण के खिलाफ प्रदेश की जनता ने भाजपा के सबका–साथ, सबका–विकास, सबका–विश्वास, सबका–प्रयास के मंत्र को समर्थन दिया है।''

नड्डा ने कहा कि भाजपा के 15 वर्ष के विकास रथ को प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने रोक रखा था, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ को और गति के साथ विकास के पथ पर अग्रसर किया जाएगा। मध्य प्रदेश की जनता को नमन करते हुए नड्डा ने कहा, ''मध्य प्रदेश में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री की नीतियों, भाजपा की विचारधारा को जनता का समर्थन का प्रमाण है। इस प्रचंड जीत के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा और अपना सबकुछ पार्टी के लिए समर्पित करने वाले कार्यकर्ताओं को हृदय से बधाई।''

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार मध्य प्रदेश को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास की यात्रा पर अनवरत आगे ले जाती रहेगी। तेलंगाना के जनादेश को स्वीकार करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दक्षिण के इस राज्य में भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की है। भाजपा के प्रति विश्वास जताने के लिए तेलंगाना की जनता का आभार प्रकट करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा इस राज्य की बेहतरी के काम करती रहेगी और जनता की सेवा के लिए अपना परिश्रम जारी रखेगी।

तेलंगाना ने पोंछे कांग्रेस के आंसू

जातिगत जनगणना पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जाति जनगणना की मांग कर रहे कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनके लिए सबसे बड़ी जाति गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं और इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत के दौरान उन्हें संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत का संकल्प– 4 अमृत स्तंभों पर टिका है। ये अमृत स्तंभ हैं – हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– गरीब। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– युवा। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– किसान। इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। जब तक इन चारों जातियों को मैं सभी समस्याओं से, सभी मुश्किलों से उबार नहीं देता हूं तब तक मैं चौन से बैठने वाला नहीं हूं। बस आप मुझे आशीर्वाद दीजिए। जब ये चारों जाति सशक्त होगी तो निश्चित तौर पर देश की सभी जातियां सशक्त होगी।

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब पहले की सरकारें खुद को जनता का माई बाप समझती थी। इस कारण आजादी के अनेक दशकों बाद तक देश की बहुत बड़ी आबादी मूल सुविधाओं से वंचित रही। लोग सरकार से पूरी तरह हताश और निराश हो गए थे। उस समय सरकारें भी सिर्फ चुनाव और वोट बैंक पर ही ध्यान रखती थी। निराशा की स्थिति को उनकी सरकार ने बदला है। आज देश में जो सरकार है, वह जनता–जनार्दन को ईश्वर का रूप मानने वाली सरकार है। वह सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे जो ये संकल्प यात्रा लेकर निकले हैं, इसके पीछे उनका मकसद यही है कि जिनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है, उनके अनुभव जानना और जिनको नहीं मिला उन्हें 5 साल में उन योजनाओं का लाभ देना है। इसलिए देश के हर गांव में श्मोदी के विकास की गारंटीश की गाड़ी पहुंचने वाली है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, षविकसित भारत संकल्प यात्रा के 15 दिन पूरे हो रहे हैं। हमने इस गाड़ी का नाम रखा था विकास रथ, लेकिन इन 15 दिनों में लोगों ने इसका नाम बदल कर मोदी की गारंटी वाली गाड़ीश रख दिया है। उन्हें ये

जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है और वह विश्वास दिलाते हैं कि लोगों को दी हुई सभी गारंटियों को वह पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोग विकसित भारत रथों का स्वागत कर रहे हैं, रथ के साथ चल रहे हैं। जिस तरह युवा और समाज के हर वर्ग के लोग विकसित भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। अब तक 12 हजार से ज्यादा पंचायतों तक मोदी की गारंटी वाली यह गाड़ी पहुंच चुकी है और 30 लाख के लगभग लोग इसका फायदा उठा चुके हैं। सभी लोग अपने गांव की कहानी सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से इन कहानियों को नमो एप पर जरूर अपलोड करने का भी आग्रह किया क्योंकि वह नमो एप पर इन गतिविधियों को प्रतिदिन देखते हैं।

वक्फ बोर्ड भर्ती मामले में दिल्ली कोर्ट ने तीन आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ाई

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली वक्फ बोर्ड भर्तियों में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले में गिरफ्तार तीन लोगों की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 14 दिनों के लिए बढ़ा दी, इसमें आप विधायक अमानतुल्ला खान भी शामिल हैं। अदालत ने आरोपघ्यिों जीशान हैदर, दाउद नासिर और जावेद इमाम सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत उनकी पहले दी गई 14 दिन की जेल की अवधि समाप्त होने पर 15 दिसंबर तक बढ़ा दी। आरोपी की ओर से पेश होते हुए, वकील नितेश राणा ने तर्क दिया कि रिमांड आवेदन पूरी तरह से ष्यांत्रिकष है और इसमें हिरासत बढ़ाने के लिए कोई सामग्री नहीं है। राणा ने कहा, आरोपी को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

दूसरी ओर, केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि जांच जारी है। इससे पहले, राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल के समक्ष, राणा ने एजेंसी के आवेदन का विरोध करते हुए दावा किया था कि मनी ट्रेल स्थापित नहीं हुआ है, और अपराध की आय की कोई मात्रा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने कहा था, गिरफ्तारी अपने आप में अवैध है और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 19 के आदेश के खिलाफ है। योग्यता के अभाव में रिमांड आवेदन खारिज किए जाने योग्य है। राणा ने दलील दी थी कि ईडी के पास उनकी हिरासत बढ़ाने की मांग करने का कोई नया आधार नहीं है। 11 नवंबर को अदालत ने उनसे 14 दिनों की हिरासत में पूछताछ के ईडी के अनुरोध को खारिज कर दिया था। ईडी की हिरासत की मांग अपराध से प्राप्त आय का पता लगाने, मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध को बढ़ावा देने वाले अन्य आरोपी व्यक्तियों की भूमिका का निर्धारण करने, आरोपी व्यक्तियों का एक–दूसरे और अन्य व्यक्तियों से आमना–सामना कराने और सच्चाई का पता लगाने और मिलीभगत का पता लगाने के लिए की गई थी। मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल प्रमुख खिलाड़ी। राणा ने पहले भी दलील दी थी कि अपराध की कथित आय किसी भी तरह से अनुसूचित अपराध से संबंधित नहीं है। हैदर के वकील नितेश राणा ने दलील दी कि वह पहले ही चार बार जांच में शामिल हो चुके हैं और ईडी ने आरोपी को अवैध तरीके से गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा था कि आरोपी व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए ईडी के पास पर्याप्त सामग्री उपलब्ध नहीं है। तर्क दिया गया कि गोलमोल जवाब देना और असहयोग उन्हें गिरफ्तार करने का आधार नहीं हो सकता। इससे पहले, राणा के अवैध हिरासत के आरोपों के बाद न्यायाधीश ने आरोपी को 12 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। राणा ने दावा किया था कि ईडी ने उनके मुवक्किलों को कानून द्वारा निर्धारित 24 घंटे की सीमा से अधिक, लगभग 30 घंटे की हिरासत के बाद पेश किया और मेरे मुवक्किल ने अपराध की आय से कोई निपटारा नहीं किया है। इस मामले में यह आरोप शामिल है कि खान ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मानदंडों और सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए 32 लोगों को अवैध रूप से भर्ती किया।

आपदा से निपटने खातिर तीन नई एसडीआरएफ का गठन

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आपदा बाढ़, सूखा, भूकंप, आकाशीय बिजली के दौरान जल्द से जल्द राहत पहुंचाने एवं जनहानि को रोकने के लिए पिछले साढ़े छह वर्ष में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में तीन नई राज्य आपदा मोचन बल एसडीआरएफ का गठन किया गया, जबकि प्रदेश की 11 आपदाओं को राज्य आपदा में शामिल किया गया। नाव दुर्घटना, सर्पदंश, सीवर सफाई, गैस रिसाव, बोरवेल में गिरना, मानव वन्य जीव द्वन्द, नदी में डूबना समेत 11 आपदाएं शामिल हैं। प्रदेश में आपदाओं से बचाव व आम जनमानस को जागरुक करने के लिए ग्राम स्तर पर राहत चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम ने प्रदेशवासियों को बाढ़, फ्लैश फ्लड, वेक्टर जनित बीमारियों, औद्योगिक दुर्घटनाओं, भूकंप, नाभिकीय खतरा समेत किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में प्रदेश में तीन नई राज्य आपदा मोचन बल का गठन किया जा रहा है। नई कंपनी के लिए 80.75 करोड़ से इक्विपमेंट एवं 9.99 करोड़ से वाहन खरीदे जा रहे हैं। योगी सरकार ने अधिक से अधिक आपदा पीड़ितों को राहत फंड का लाभ दिलाने के लिए कई दुर्घटनाओं को राज्य आपदा में शामिल किया है। इसमें नाव दुर्घटना, सर्पदंश, सीवर सफाई, गैसरिसाव, बोरवेल में गिरना, मानव वन्य जीव द्वन्द, डूबना, सांड एवं नीलगाय के आघात से होने वालीमृत्यु शामिल है। स्कूलों के पाठ्यक्रमों एवं उत्तर प्रदेश के शिक्षा परिषदों में आपदा प्रबंधन के विषयों को शामिल किया गया।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में 18-19 वर्ष की आयु के मतदाता मतदान में रहे अव्वल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में गत 25 नवंबर को हुए विधानसभा आम चुनाव–2023 में 18–19 वर्ष आयु के सर्वाधिक 75.34 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करने में अव्वल रहे। निर्वाचन विभाग के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस चुनाव में 20 से 25 वर्ष के मतदाताओं में से 69ध्58 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया जबकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं में 68ध्75 प्रतिशत मतदाता अपने मत का प्रयोग किया। 18–19 वर्ष की आयु के 22 लाख 61 हजार आठ मतदाताओं में से 17 लाख तीन हजार 386 मतदाताओं ने वोट डाले। इसी तरह 20 से 25 वर्ष की आयु के 75 लाख 44 हजार 172 मतदाताओं में 52 लाख 49 हजार 464 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया जबकि 80 वर्ष से अधिक आयु के 11 लाख 67 हजार 474 मतदाताओं में से आइ लाख दो हजार 643 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। प्रतापगढ़ जिले में सर्वाधिक 93ध्81 प्रतिशत 18–19 वर्ष की उम्र के मतदाताओं ने मतदान किया जबकि 64ध्19 प्रतिशत सबसे कम पाली जिले में इस उम्र के मतदाताओं ने अपने वोट डाले। इसी तरह 20 से 25 वर्ष की आयु के मतदाताओं में सर्वाधिक 88ध्52 प्रतिशत प्रतापगढ़ में मतदान हुआ जबकि सबसे कम 60.01 प्रतिशत सिरोही जिले में इस उम्र के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह प्रदेश के जैसलमेर में सर्वाधिक 88ध्05 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं ने मतदान किया जबकि इस उम्र के वर्ग में सबसे कम 57ध्86 प्रतिशत अजमेर जिले में मतदान हुआ।इस चुनाव में पहली बार 80 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाताओं के लिए घर बैठे शुरु की गई होम वोटिंग सुविधा के तहत 49 हजार 365 बुजुर्ग मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया जबकि सात लाख 53 हजार 278 बुजुर्ग मतदाताओं ने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर ईवीएम के माध्यम से अपने मतदान का प्रयोग किया। उल्लेखनीय है कि इस बार प्रदेश में विधानसभा चुनाव में 75ध्45 प्रतिशत मतदान हुआ जो वर्ष 2018 के मुकाबले 0ध्73 प्रतिशत अधिक हैं।

मन्त्री का बेटा करेगा चपरासी की नौकरी

रांची (एजेंसी)। झारखंड सरकार के श्रम–नियोजन सह प्रशिक्षण एवं कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता के पुत्र मुकेश कुमार भोक्ता प्यून (चपरासी) की नौकरी करेंगे। उनका सेलेक्शन उनके होम डिस्ट्रिक्ट चतरा सिविल कोर्ट में इस पद के लिए हुआ है। चतरा सिविल कोर्ट में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए वैकेंसी निकली थी। इसका रिजल्ट शुक्रवार को जारी किया गया है। इसमें कुल 19 कैंडिडेट्स का सेलेक्शन किया गया है। इसमें मंत्री सत्यानंद भोक्ता के पुत्र मुकेश कुमार भोक्ता का नाम 13वें नंबर पर है। उनका सेलेक्शन एसटी कोटे के तहत हुआ है। मंत्री के पुत्र के

अलावा उनके भतीजे रामदेव भोक्ता ने भी इस पद के लिए आवेदन किया था। उसका नाम वेटिंग लिस्ट में है। चुने गए 19 लोगों में अगर कोई योगदान नहीं करता है तो उनकी जगह वेटिंग लिस्ट में शामिल अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। बता दें कि चपरासी के लिए सेलेक्ट हुए मंत्री पुत्र मुकेश भोक्ता की शादी पिछले साल धूमधाम से हुई थी। वैवाहिक कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन खुद शामिल हुए थे। मंत्री पुत्र द्वारा चतुर्थ वर्गीय पद की नौकरी स्वीकार किए जाने पर सोशल मीडिया पर तरह–तरह की चर्चा चल रही है। सत्यानंद भोक्ता चतरा विधानसभा सीट से राजद के विधायक हैं। राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में वह 2019 में इस विभाग के मंत्री बनाए गए। भोक्ता अब तक तीन बार विधायक चुने गए हैं और तीसरी बार मंत्री भी बने हैं। राजद के पहले वह भाजपा और झारखंड विकास मोर्चा में रहे हैं।

कुछ लोग विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी खास राजनीतिक दल का नाम लिये बगैर कहा कि कुछ लोग परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। श्री योगी ने भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुये गुरुवार को कहा कि कुछ लोग देश का विकास नहीं चाहते हैं। वह परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। इससे हम सभी को बाहर आना होगा तभी गरीब के चेहरे पर उसके सपनों की खुशहाली लाई जा सकेगी। उन्होने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साढ़े नौ वर्षों में अपने महत्वपूर्ण निर्णयों, दूरदर्शी सोच एवं योजनाओं से देश भर में जो माहौल बनाया है, वह किसी भारतीय से छिपा नहीं है। इस संकल्प में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं काफी सहायक बनी हैं, जिसका भव्य रूप आज हम सभी को देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को स्थापित करेगी। इसमें हम सब का भी योगदान जरूरी है। इसी उद्देश्य से 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ था। उसके बाद कई सरकारें बनीं। इन्होंने काम भी किया होगा और देश का पैसा भी खर्च किया होगा, लेकिन दुनिया में वर्ष 2014 से पहले भारत की छवि एवं यहां के लोगों के बारे में क्या धारणा थी, लेकिन दुनिया में आज क्या छवि है, यह हम सब देख रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दर्शाता है। वर्ष 2014 से पहले देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। उसमें भी जमकर बंदरबांट का खेल होता था। उनके एजेंडे में गरीब, सामान्य नागरिक, महिलाएं और नौजवान शामिल नहीं होते थे। आज देश में गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, गरीबों के घर में निशुल्क शौचालय, जनधन अकाउंट योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सम्मान निधि और पीएम स्वनिधि जैसी तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि यह योजनाएं पहले क्यों नहीं चलायी गई, जबकि देश भी वही है और सरकार के आय के स्त्रोत भी वही हैं। सरकार आपके बारे में सोच रही है तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण के संकल्प को पूरा करने में अपना भरपूर सहयोग दें। केंद्र और राज्य सरकार हर नागरिक को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण मिशन से जुड़ी सभी योजनाओं की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह को सौंपी गई, जिसका लाभ 60 हजार महिलाएं सीधे–सीधे रोजगार के जरिये उठा रही हैं। वहीं बैंकिंग सुविधा का लाभ ग्रामीणों को देने के लिए बीसी सखी बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मौतों वाली कार्य संस्कृति

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की ताजा रिपोर्ट बतलाती है कि दुनिया की एक बड़ी आबादी बहुत खराब हालात में काम करती है। स्थितियां इतनी बुरी हैं कि उनके कारण लाखों श्रमिक और कर्मचारी किसी न किसी वजह से दम तोड़ देते हैं, फिर वह चाहे काम का बोझ हो या कार्य स्थलों पर होता प्रदूषण। यह एक तरह से क्रूर पूंजीवाद के उसी चेहरे का प्रतिबिम्ब है जो मुनाफा कमाने के लिये अमानवीयता की तमाम सरहदें लांघता है। पिछले कुछ अरसे से पूंजी के मुकाबले श्रम की घटती महत्ता का भी यह साक्ष्य है।

आईएलओ की इस 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक काम से सम्बन्धित दुर्घटनाओं और विभिन्न तरह की बीमारियों के चलते विश्व में 30 लाख लोगों ने जान गंवाई। यह आंकड़ा साल 2000 के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा तथा 2015 की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है जो यह बतलाने के लिये पर्याप्त है कि लोगों का मरना बदस्तूर जारी है। जो तथ्य प्रमुखता से सामने आया वह यह है कि मौतों का सबसे बड़ा कारण है प्रति सप्ताह 55 घंटों से अधिक समय तक की काम की अवधि का होना। अकेले इसी कारण से करीब 7.5 लाख कर्मचारियों व श्रमिकों ने प्राण खोये। ऐसे में इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के उस बयान का भी स्मरण हो आता है जिन्होंने हाल ही में एक चर्चा के दौरान कहा था कि श्अगर भारत को चीन से मुकाबला करना है तो यहां के प्रत्येक युवा को सप्ताह में कम से कम 60 घंटे काम करना चाहिये। दुनिया जब 55 घंटे से अधिक अवधि तक काम करने का नतीजा बड़ी संख्या में लोगों की मौत के रूप में देख रही है, तो नारायण मूर्ति का यह बयान निष्ठुर ही कहा जा सकता है। यह पूंजीवाद का वह विद्रूप पक्ष है जिसमें कारोबारियों को लोगों की जान की परवाह नहीं होती और वे आर्थिक लाभ को ही तरजीह देते हैं। ये वे मौतें हैं जिनकी रिपोर्ट हुई है या जानकारियां दस्तावेजों तक पहुंच सकी हैं। बड़ी संख्या में ऐसे गैर–संगठित क्षेत्र के लोग हैं जो जान तो गंवाते हैं परन्तु वे घोषित आंकड़ों के हिस्से नहीं बन पाते। यह पूरी दुनिया का हाल है, लेकिन तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों में श्रमिकों की स्थिति बहुत ही दयनीय व चिंतनीय है जो 21वीं सदी में हासिल की गई वैज्ञानिकता, तकनीकी विकास एवं आधुनिक प्रबंधन शैली के भी विपरीत है। एशियाई, अफ्रीकी एवं लातिन अमेरिका के कई अविकसित व विकासशील देशों में लोगों को खतरनाक परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। ये मौतें व्यापक पैमाने पर मानवाधिकार की दुर्दशा को भी बयान करती हैं। वर्गीकृत मौतों के अलावा सोचे–समझे बिना थोपे जाने वाले सरकारी निर्णयों के कारण भी बड़ी संख्या में कार्य स्थलों पर मौतें होती हैं। भारत में नोटबंदी एक ऐसा ही उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सनक व अदूरदर्शिता से उपजे इस फैसले का नतीजा देश ने बैंकों के बाहर लोगों की तथा बैंकों के भीतर कर्मचारियों की मौतों के रूप में देखा था। इसी प्रकार कोरोना काल में भी लोगों से लिये जा रहे काम के दौरान भी हजारों लोगों ने जानें गंवाई थीं। उत्तर प्रदेश में कोविड के दौरान स्थानीय निकायों के चुनाव कराये गये थे। नौकरी खोने के डर से राज्य सरकार के हजारों कर्मचारियों व अधिकारियों ने दूर–दराज जाकर चुनावी ड्यूटी की थी। पर्याप्त ऐहतियात बरतने की सुविधा न होने और इलाज की अनुपलब्धता के कारण बड़ी तादाद में मौतें हुई थीं।आईएलओ की रिपोर्ट के अनुसार अन्य कारण तथा उनसे मरने वाले लोगों की संख्याएं इस प्रकार हैं– गैस रिसाव व आगजनी से 4.5 लाख, काम के दौरान घायल होकर 3.63 लाख, एसबेस्टस 2.09 लाख, सिलिका 42 हजार से ज्यादा, कार्य जनित अस्थमा लगभग 30 हजार, विकिरण 18 हजार, डीजल इंजिन एग्जास्ट 14700, अर्सेनिक 7600 एवं निकल से 7300। जो सेक्टर सर्वाधिक खतरनाक माने गये हैं और जिनमें सर्वाधिक घटनाएं हुई हैं, उनमें खनन, विनिर्माण, बिजली तथा प्राकृतिक गैस हैं। इस रिपोर्ट पर सिडनी में चल रही 23वीं कांग्रेस में चर्चा होगी जिसमें सुरक्षित कार्य पद्धति विकसित करने सम्बन्धी उपाय सुझाए जायेंगे। काम के दौरान घायल होने वालों की संख्या तो करोड़ों में है जो यह बतलाता है कि कामकाजी जनता के लिये सुरक्षित कार्य संस्कृति विकसित करने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह रिपोर्ट ऐसे वक्त पर आई है जब भोपाल गैस त्रासदी के करीब 40 साल पूरे होने जा रहे हैं। 2 व 3 दिसम्बर, 1984 की मध्य रात्रि को यहां स्थित यूनियन कार्बाइड के संयंत्र से 45 टन मिथाइल आईसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। इससे 15 से 20 हजार लोग मारे गये थे और करीब 6 लाख लोगों पर उसका प्रभाव पड़ा था। इनमें बड़ी तादाद में सामान्य जनता के अलावा संयंत्र के कर्मचारी थे जो या तो कार्यरत थे अथवा आसपास ही रहते थे। बेशक मरने वाले गैर कर्मचारी अधिक हैं परन्तु यह बतलाने के लिये ये आंकड़े पर्याप्त हैं कि कर्मचारियों को किन हालात में काम करना पड़ता है। इस त्रासदी को अब तक की दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा के रूप में निरूपित किया जाता है। कारखानेदारों की औद्योगिक सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण पर खर्च न करने की प्रवृत्ति से काम करने वालों की जान हमेशा जोखिम में रहती है। शासकीय विभाग एवं नियामक एजेंसियां भी इस ओर ध्यान नहीं देतीं। संवेदनहीन सरकारी मशीनरी व सरकारें सर्वहारा की बजाये पूंजीपतियों की पक्षधर होती हैं जिसका परिणाम यह मौतों वाली कार्य संस्कृति है।

आज का राशिफल

मेष :– आज कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। रोजगार संबंधी यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार है। शिक्षा क्षेत्र में जुड़े सभी छात्रों को परिश्रम करने की आवश्यकता है।

बृषभ :– स्वयं पर भरोसा कर योजनाओं को सुचारु रूप से क्रियान्वित करें। संबंधों में सरल व व्यवहारिक बनने की कोशिश करें। आर्थिक चिंता संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार हैं।

मिथुन :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध मन को हतोत्साहित करेगा। संबंधों के प्रति नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन मे उत्साह का संचार होगा। क्रोध पर नियंत्रणरखें।

कर्क :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। पत्नी के स्वास्य का ध्यान रखें।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

कन्या :– समस्याओं के समाधान हेतु मन नए युक्तियों पर केन्द्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरे के प्रति आलस्य न करें। छोटी–छोटी बातों पर क्रोधित न हो। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा।

तुला :– मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में सन्तुलित व मधुर वाणी का प्रयोग करें। कोई आपका अपना बिगड़े हुए सम्बन्धों मे सुधार कराएगा। किसी कार्य से संपन्न होने के आसार हैं।

वृश्चिक :– सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु सन्तुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में संबंधों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कठिनाइयां संभव। मधुर वाणी का प्रयोग करें।

धनु :– नए समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय सम्बनध मे प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय–व्यय मे सन्तुलन बनने का प्रयत्न करें। आलस्य का त्याग करें। रोजगार के अवसर सुलभ होंगे।

मकर :– कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशा में प्ररिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव। कटु शब्दों का प्रयोग न करें।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर आप उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरे की व्यस्तता रहेगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

मीन :– क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा मे लापरवाही ना करें। रोजगार में नए लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। जीवन साथी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

तेलंगाना में भी शानदार मतदान

तेलंगाना में भी धुआंधार मतदान के बाद 3 दिसम्बर को चुनाव परिणामों का इन्तजार देश के हर नागरिक को रहेगा। देश के जिन पांच राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम व तेलंगाना में चुनाव हुए हैं उन सभी में इस बार अच्छा मतदान हुआ है जिससे पता चलता है कि मतदाता राजनीति के प्रति लगातार सजग हो रहे हैं। तेलंगाना इन सभी राज्यों में सबसे युवा राज्य है जिसका गठन 2014 में केन्द्र की डा. मनमोहन सिंह सरकार ने किया था परन्तु इसी साल बाद में हुए विधानसभा चुनावों में यहां क्षेत्रीय नेता श्री चन्द्रशेखर राव की तेलंगाना राष्ट्रीय समिति जीत गई थी। इसकी वजह यह समझी गयी थी कि तेलंगाना निर्माण के लिए इस पार्टी ने सड़कों पर संघर्ष किया था और जन आन्दोलन छेड़ा था। तब से अब तक चन्द्रशेखर राव ही इस राज्य के मुख्यमन्त्री चले आ रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि इस बार के चुनावों में सत्ता विरोधी लहर चली है। इसमें कितना सत्य है, इसका पता तो 3 दिसम्बर को ही चलेगा परन्तु आम जनता का उत्साह चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह देखने को मिला उससे इतना तो कहा ही जा सकता है कि जनता निर्णायक फैसला कांग्रेस अथवा समिति को देने जा रही है। पिछली बार भी यहां के मतदाताओं ने राष्ट्रीय समिति के प्रत्याशियों को जबर्दस्त समर्थन दिया था और 119 सदस्यीय विधानसभा में इसके 88 सदस्य भेज दिये थे। दूसरे नम्बर पर कांग्रेस रही थी जिसके 21 सदस्य चुने गये थे जबकि भाजपा का केवल एक विधायक ही चुना गया था। चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार कांग्रेस व राष्ट्रीय सदस्यों की संख्या में भारी बदलाव आ सकता है जबकि

भाजपा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी इत्तेहादे मुसलमीन के बाद चौथे नम्बर पर ही रहेगी। इससे कहा जा सकता है कि असली मुकाबला कांग्रेस व राष्ट्रीय समिति के बीच ही है। तेलंगाना छोटा राज्य है मगर इसकी शहरी जन संख्या 39 प्रतिशत व ग्रामीण जनसंख्या 61 प्रतिशत के लगभग है। इसलिए जिस पार्टी का दबदबा गांवों में होगा अंत में विजयश्री उसी का वरण कर सकती है। पिछली बार राष्ट्रीय समिति को 48 प्रतिशत के लगभग मत मिले थे जबकि कांग्रेस को 32 प्रतिशत के आसपास वोट मिले थे। देखना यह होगा कि इन दोनों पार्टियों के मतों में इस बार कितना अन्तर रहता है और पलड़ा किसके पक्ष में झुकता है। जहां तक पिछली बार के मतदान का सवाल है तो शहरी क्षेत्रों में यह 50 प्रतिशत से भी कम रहा था और ग्रामीण क्षेत्रों में 80 प्रतिशत से भी ऊपर रहा था जिससे औसत मतदान प्रतिशत 73 के करीब रहा था। यह राज्य भी अन्य राज्यों की तरह बता रहा है कि गांवों में रहने वाले और अनपढ़ व गरीब समझे जाने वाले लोग राजनीतिक रूप से अधिक सचेत व बुद्धिमान होते हैं। इससे सकल भारत की राजनीतिक सूझबूझ का ही पता चलता है क्योंकि असली भारत गांवों में ही रहता है। इस राज्य में 85 प्रतिशत जनसंख्या हिन्दुओं की है जबकि मुस्लिम 13 प्रतिशत से कुछ कम और ईसाई 1.2 प्रतिशत हैं। असली लड़ाई में जो भी पार्टियां हैं वे अपने–अपने को किसानों व ग्रामीणों का हितैषी ही बताती हैं। चुनाव परिणाम बतायेंगे कि लोगों ने किस पार्टी को अपना हितैषी समझा है परन्तु इस बार भाजपा इस लड़ाई को त्रिकोणीय बनाना चाहती थी। यह भी देखना होगा कि उसे इस बार कितने प्रतिशत मत मिलते हैं क्योंकि पिछले चुनावों में उसकी सीट बेशक एक थी मगर मत प्रतिशत 12 के आसपास था जबकि इन चुनावों के कुछ महीनों बाद ही हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा चार सीटें ले गई थी और इसका मत प्रतिशत भी बढ़कर 18 के आसपास हो गया था। राज्य में एक पार्टी ऐसी भी है जिसका असर केवल राजधानी के क्षेत्र हैदराबाद में ही है। हैदराबाद से विधानसभा की 20 सीटें हैं। इनमें से सात सीटें पिछली बार असदुद्दीन ओवैसी की इत्तेहादे मुसलमीन पार्टी को मिली थीं जबकि कांग्रेस तीन पर जीती थी और बाकी राष्ट्रीय समिति के खाते में गई थीं। ऐसा माना जा रहा है कि यदि इस बार चुनाव परिणामों में बड़ा फेरबदल होता है तो हैदराबाद भी इससे अछूता नहीं रहेगा। मगर चुनावी राजनीति में कभी भी कोई नियम व परंपरा से मतदाता नहीं बंधते हैं क्योंकि वे लोकतन्त्र के असली मालिक और शहंशाह होते हैं। उनके वोट में नेताओं को अर्श से फर्श पर लाने की ताकत होती है जिसे राजनीति में बदलाव कहा जाता है। लोकतन्त्र की विशेषता यह भी होती है कि यह बदलते समय के अनुसार बदलाव मांगता रहता है और इस व्यवस्था में जनता के सामने कभी भी विकल्पों की कमी नहीं रहती क्योंकि भारत बहु राजनैतिक दल व्यवस्था का लोकतन्त्र है। अतः भारी मतदान होना भी लोकतन्त्र की जय है और 3 दिसम्बर को जब परिणाम आयेंगे तब भी केवल लोकतन्त्र ही जीतेगा।

खनिज तेल आपूर्ति में कटौती का सवाल, सभी निगाहें ओपेक की बैठक पर

के रवीन्द्रन

तेल बाजार इस सप्ताह आगामी ओपेक़ बैठक के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जिसकी 26 नवम्बर की बैठक को आंतरिक समस्याओं के कारण स्थगित करना पड़ा था। यह बैठक उत्पादक और आयातक दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से इस आकलन के बीच कि एक नये उत्पादन में कटौती पर समझौता चुनौतीपूर्ण होने वाला है? हालांकि ओपेक की बैठकें पहले भी स्थगित की जा चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है कि यह स्थगन इतने दिनों तक चला है। स्थगन के कारण ही कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सप्ताह की शुरुआत में क्रूड की कीमतें लगभग 74.70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही थीं, जबकि ब्रेंट क्रूड गिरकर लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था। मामूली वृद्धि दर्ज करने के बाद, सप्ताहों में इस तरह की पहली बढ़ोतरी, ओपेक़ द्वारा अफ्रीकी देशों में उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मंत्री स्तरीय बैठक को 30 नवंबर तक स्थगित करने के बाद सप्ताह के मध्य में कीमतों में गिरावट आई। यह स्थगन ओपेक़ समूह के भीतर उत्पादन में कटौती के समझौते पर पहुंचने में कठिनाइयों का संकेत देता है। प्रत्येक सदस्य देश 2024 में कीमतों का समर्थन करने के लिए उत्पादन में कमी करने की आवश्यकता को स्वीकार करता है, लेकिन सवाल यह है कि आपूर्ति में कटौती का बोझ कैसे साझा किया जाये। यह माना जाता है कि आगे की कटौती के बिना, कीमतें 2024 तक 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहेंगी। जून 2023 में तय किये गये 2024 उत्पादन कोटा में 23 सदस्य देशों में से नौ के लिए कम उत्पादन लक्ष्य शामिल था, जो रूस, नाइजीरिया, अंगोला, मलेशिया, अजरबैजान, इक्वेटोरियल गिनी, कांगो, ब्रूनेई और सूडान हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों के लिए कम उत्पादन कोटा स्वीकार करना भी मुश्किल होगा। हालांकि, चुनौतियों के बावजूद, तेल बाजार विशेषज्ञ रिस्टैड एनर्जी को उम्मीद है कि ओपेक़ आगामी बैठक में उत्पादन कम करने के समझौते पर पहुंचेगा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे सदस्यों से आगे स्वैच्छिक कटौती शामिल हो सकती है। वहीं, रिस्टैड गतिरोध की संभावना से इनकार करने को तैयार नहीं हैं। इस बात को लेकर काफी उम्मीदें हैं कि सरगना सऊदी अरब प्रतिदिन 1 मिलियन बैरल (बीपीडी) की स्वैच्छिक कच्चे तेल उत्पादन में कटौती पर क्या निर्णय लेता है। चाहे वे कोई भी रास्ता अपनाएं, उत्पादन में कटौती पर सऊदी अरब का निर्णय अंततरू वैश्विक तेल कीमतों के अल्पकालिक भविष्य को आकार देगा। राज्य आपूर्ति को सीमित करके कीमतें ऊंची रखने की इच्छा को इस ज्ञान के साथ संतुलित कर रहा है कि ऐसा करने से समग्र बाजार हिस्सेदारी में और गिरावट आयेगी। हाल की कीमत में गिरावट इस बात का संकेतक हो सकती है कि ओपेक बैठक में क्या उम्मीद की जा सकती है, क्योंकि सऊदी ने बार–बार प्रदर्शित किया है कि उनका मूल्य स्तर 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है। सऊदी अरब ने

उस बैठक के मौके पर अपनी स्वैच्छिक कटौती की घोषणा की, शुरुआत में जुलाई के लिए 1 मिलियन–बीपीडी उत्पादन कटौती की प्रतिबद्धता जताई। इसके बाद इसे मासिक आधार पर अगस्त और सितंबर तक बढ़ा दिया गया, जबकि सितंबर की शुरुआत में, रियाद ने इस साल के अंत तक विस्तार की घोषणा की। तेल बाजार यह देखना चाहेंगे कि क्या सऊदी अरब इन कटौती को 2024 तक बढ़ाता है या वह इन्हें धीरे–धीरे कम करना चाहता है या इस साल के अंत में इन्हें समाप्त होने देता है। चाहे जो भी हो, सऊदी अरब के फैसले का तेल बाजारों और विशेष रूप से अगले साल तेल की कीमत पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

रिस्टैड एनर्जी का मानना है कि सऊदी स्वैच्छिक कटौती को 2024 तक नहीं बढ़ाया जायेगा, क्योंकि आपूर्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है, जो अगले साल की पहली तिमाही के लिए संतुलित बाजार का संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि दूसरी तिमाही में 600,000 बीपीडी से अधिक का बाजार अधिशेष दिखाई दे रहा है। आगे बढ़ते हुए, अगले वर्ष की दूसरी छमाही में लगभग 450,000 बीपीडी की कमी होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, रिस्टैड को उम्मीद है कि इस साल लगभग 1.2 मिलियन के महत्वपूर्ण घाटे की तुलना में 2024 में तेल बाजार काफी संतुलित रहेगा। हाल के सप्ताहों में तेल की कीमत पर गिरावट का दबाव बढ़ गया है, अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण भारी बिकवाली के कारण कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं। यह अक्टूबर की शुरुआत में शुरू हुए इजराइल–हमास संघर्ष के फैलने के ठीक बाद तेल की कीमत के स्तर से काफी नीचे है, जब कीमतें लगभग 95 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। मंदी की उम्मीदों को और अधिक बल दे रहे हैं, हाल के आंकड़े, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी वाणिज्यिक कच्चे माल की सूची पिछले चार हफ्तों में बढ़ी है और अब यह 440 मिलियन बैरल है, जो एक महीने पहले 420 मिलियन बैरल से अधिक था। रिस्टैड विश्लेषण से पता चलता है कि, ऐसे परिदृश्य में जहां सऊदी अरब स्वैच्छिक कटौती का विस्तार नहीं करता है, बाजार में मंदी बढ़ेगी और अगले साल तेल की कीमत औसतन 80 डॉलर प्रति बैरल से थोड़ा ऊपर होगी। दूसरे छोर पर, यदि सऊदी अरब अप्रैल 2024 तक स्वैच्छिक कटौती बढ़ाता है और फिर धीरे–धीरे उन्हें कम करता है, तो 2024 में कीमत औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल होगी। आईएमएफ का नवीनतम अनुमान सऊदी तेल के लिए 86 डॉलर प्रति बैरल की ब्रेकईवन कीमत का सुझाव देता है। इसका मतलब यह होगा कि सऊदी अरब को उस मूल्य स्तर को हासिल करने के लिए, कम से कम जून 2024 तक बाजार हिस्सेदारी देना जारी रखना होगा।

खेल में खनकती पूंजी

अरविन्द मोहन

विश्वकप क्रिकेट में कमेंटरी करने भारत आए पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की यह टिप्पणी अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा और विवाद का विषय बनी है कि आस्ट्रेलिया की फाइनल की जीत श्क्रिकेट माफिया के खिलाफ न्याय की जीत है।श उनका इशारा ही नहीं, साफ कहना है कि क्रिकेट पर माफिया काबिज है, वही अधिकांश फैसले कराने लगा है और आस्ट्रेलिया ने अपने खेल के दम पर इसक्रम को पलटा है। इस बयान से उन लोगों की बाछें खिल गई हैं जो गृहमंत्री अमित शाह और भारतीय क्रिकेट प्रशासन पर हावी जमात के आलोचक रहे हैं। यह आलोचना अभी से नहीं डालमिया, बिन्द्रा और पवार राज के दिनों से हो रही है और इधर यह शोर बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भारतीय क्रिकेट और क्रिकेट प्रशासन का दबदबा बढ़ा है–निश्चित रूप से बढ़ा है, भारत की मर्जी के खिलाफ ज्यादा उल्टा फैसला होना बंद हुआ है। ऐसा भारत में क्रिकेट के बढ़ने, लोकप्रिय होने और क्रिकेट में बाजार की तरफ से भारी पैसा आने की वजह से ज्यादा हुआ है, किसी माफिया के चलते उतना नहीं। स्वयं पोंटिंग से लेकर आस्ट्रेलिया के ही नहीं, दुनिया के सारे बड़े खिलाड़ियों का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने को लालायित रहना इसका ही प्रमाण है। जब से यह बदलाव हुआ है तब से भारत का माफिया प्रभावी हुआ हो या नहीं, भारतीय क्रिकेट प्रशासकों का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर दबदबा बना है या नहीं, लेकिन इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के क्रिकेट प्रशासकों का दबदबा खत्म जरूर हुआ है। भारत ही नहीं तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या–क्या भुगतना पड़ा है इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जाएगा। अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है। अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतान्त्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक–साफ ही हो। इस बार ही आयोजन स्थल, मैदान, खेल के दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो–जो हुआ उसे श्हेल्दी हैबिटश तो कदापि नहीं कहा जा सकता। खिलाड़ियों से ज्यादा क्रिकेट प्रशासकों की अय्याशी की भी चर्चा खेल के लिए स्वस्थ नहीं है। क्रिकेट के प्रसारण राइट्स की कहानी भी गंदली है और दर्शक बढ़ने का ज्यादा लाभ खिलाड़ी और प्रशासन की जगह बाजार उठाता जा रहा है। इसी का प्रमाण है कि भारत के अंदर भी नेट के जरिए मैच देखनेधदिखाने का कारोबार सामान्य टीवी प्रसारण से अलग किया गया है। तब भी वहां साढ़े पांच करोड़ तक दर्शक पहुंचे ही नहीं हैं, ज्यादा समय तक क्रिकेट देखने का रिकार्ड भी दर्ज हो रहाहै। दसियों भाषाओं में कमेंटरी हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट तीस लाख रुपए तक पहुंचने की चर्चा है। एक फोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है। क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है इसकी गिनती मुश्किल हो गई है। कैमरा कहां फोकस करे इसको लेकर झगड़ा होता है। क्रिकेट दिखाने का सामान्य शिष्टाचार पीछे चला गया है। बाजार और ब्रांड के अलावा पर्सनल खुराक और ट्रेनर भी ब्रांड बनाते जा रहे हैं। कमेंटेटरों तक को मिलने वाले पैसे आंख फाड़ने वाले हैं, उपहार और अन्य सुविधाओं का तो हिसाब ही अलग है। अलबत्ता, क्रिकेट प्रसारकों को भारत के फाइनल में हारने से ही नहीं,धमाकेदार ढंग से लगातार दस मैच जीतकर फाइनल पहुंचने से भी शिकायत रही है। भारतीय गेंदबाज इस बार फाइनल के अलावा लगभग सभी मैचों में सफल रहे और पूरे पचास ओवर की जगह छब्बीस, सत्ताईस ओवर में ही विपक्षी दल को समेट देते थे। विपक्ष के कम स्कोर को धमाकेदार भारतीय बल्लेबाज पचीस–तीस ओवर में ही पूरा कर लेते थे। ऐसा प्रतियोगिता के ज्यादातर मैचों में हुआ और नजदीकी मुकाबले देखने के लिए दर्शक भी तरसे। ऐसे मुकाबलों में बाजार के लोगों को विज्ञापन के लिए कम समय मिलता है। ।

संक्षिप्त खबरे

यूपी के कई जिलों में होगी बारिश अब बढ़ेगी ठंड, आईएमडी का अलर्ट जारी

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अब दिनों दिन मौसम में बदलाव हो रहा है। बारिश के बाद अब ठंड बढ़ती जा रही है। सुबह और शाम के समय घना कोहरा छाया रहता है। जैसे–जैसे ठंड बढ़ रही है, वैसे–वैसे ही प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। इसी बीच मौसम विभाग से जानकारी मिली है कि आने वाले दो से तीन दिनों में यूपी के कई जिलों में बारिश होगी। जिससे लोगों को प्रदूषण से राहत मिल सकती

है और ठंड भी बढ़ सकती है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, अगले दो से तीन दिन यूपी में बारिश होगी। विभाग ने झांसी, महोबा, हमीरपुर, जालौन, कानपुर देहात, कानपुर, फतेहपुर उन्नाव रायबरेली, अमेठी, लखनऊ, बाराबंकी फैजाबाद, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, जौनपुर समेत कई इलाकों में बारिश की संभावना जताई है। बारिश के बाद प्रदेश में ठंड काफी बढ़ जाएगी। यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ समेत कई इलाकों की हवा लगातार खराब हो रही है। इन जिलों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। कई जिलों में हल्की बारिश तो हुई, लेकिन प्रदूषण को कम नहीं कर पाई। जैसे–जैसे सर्दी बढ़ रही है हवा में प्रदूषण का लेवल भी बढ़ता जा रहा है, जिसकी वजह से आंखों में जलन और लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, नोएडा के सेक्टर–116 में आज एयर क्वालिटी इंडेक्स 338 दर्ज किया गया और हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। नोएडा में सुबह से ही स्मॉग देखने को मिला है। वहीं गाजियाबाद में स्थिति और भी ज्यादा खराब है. यहां लोनी में एक्यूआई 341 दर्ज किया गया और हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में है।

यूपी सरकार ने आपदाओं से निपटने के लिए तीन नये एसडीआरएफ का किया गठन

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेशवासियों को आपदा (बाढ़, सूखा, भूकंप, आकाशीय बिजली) के दौरान जल्द से जल्द राहत पहुंचाने एवं जनहानि को रोकने के लिए तीन नये राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का गठन किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा 11 आपदाओं को राज्य आपदाओं की सूची में शामिल किया गया है, जिनमें नौका दुर्घटना, सर्पदंश, सीवर सफाई, गैस रिसाव, बोरवेल में गिरना, मानव वन्यजीव द्वन्द, नदी में डूबना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आपदाओं से बचाव व आम लोगों को जागरूक करने के लिए ग्राम स्तर पर राहत चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। राहत आयुक्त जी.एस. नवीन ने शनिवार को एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को बाढ़, अचानक आई बाढ़, मच्छर जनित बीमारियों, औद्योगिक दुर्घटनाओं, भूकंप, नाभिकीय खतरों समेत किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन तंत्र को और मजबूत बनाने के निर्देश दिये थे। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में प्रदेश में तीन नए राज्य आपदा मोचन बल का गठन किया जा रहा है। वहीं, नए बलों के लिए 80.75 करोड़ रूपये से उपकरण एवं 9.99 करोड़ रुपये से वाहन खरीदे जा रहे हैं। राहत आयुक्त ने बताया कि मौसम संबंधी पूर्व चेतावनी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश की सभी तहसीलों में 450 ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन (एडब्ल्यूएस), ब्लॉक स्तर पर 2 हजार ऑटोमैटिक रेन गेज (एआरजी) और प्रदेश के 5 प्रमुख शहरों में 5 'डॉप्लर रडार की स्थापना की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश में आपदाओं से बचाव व आम जन को जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम स्तर पर लगभग सात हजार राहत चौपालों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें जनपद स्तर के अधिकारियों द्वारा ग्रामीण जनों को आपदाओं से बचाव व तैयारी, आपदा के दौरान क्या करें व क्या न करें आदि के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में नौका दुर्घटनाएं रोकने के लिए नाव सुरक्षा एवं नाविक कल्याण नीति–2020 बनाई है जिसके जरिये प्रथम चरण में 872 गोताखोर एवं 5123 नाविकों को नाव सुरक्षा किट का वितरण किया गया है।

मायावती ने की जातीय जनगणना को लेकर जरूरी कदम उठाने की मांग

लखनऊ(संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बीपीएस) प्रमुख मायावती ने देश में जातीय जनगणना की मांग करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के लिए अब इस मुद्दे पर बिना देरी के सकारात्मक कदम उठाना जरूरी हो गया है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चार दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आज सर्वदलीय बैठक में बीएसपी द्वारा सरकार से देश में जातीय जनगणना कराए जाने की मांग की गई। अब जबकि इसकी मांग देश

के कोने–कोने से उठ रही है, केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में अविलम्ब सकारात्मक कदम उठाना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा, महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, बदहाल सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य व कानून व्यवस्था से त्रस्त व जातिवादी शोषण–अत्याचार से पीड़ित देश के लोगों में जातीय जनगणना के प्रति जो अभूतपूर्व रुचिध्जागरूकता है वह भाजपा की नींद उड़ाए है तथा कांग्रेस अपने अपराधों पर पर्दा डालने में व्यस्त। मायावती ने कहा, वैसे विभिन्न राज्य सरकारें सामाजिक न्याय की दुहाई देकर आधे–अधूरे मन से जातीय जनगणना कराकर जनभावना को काफी हद तक साधने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन इसका सही समाध ान तभी संभव है। जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर सही जातीय जनगणना कराकर लोगों को उनका हक देना सुनिश्चित करेगी।

चालक महासंघ प्रतिनिधिमण्डल को एसीएस का आश्वासन

लखनऊ(संवाददाता)। राजकीय वाहन चालक महासंघ के प्रतिनिधि मण्डल ने अपर मुख्य सचिव कार्मिक देवेश चतुर्वेदी से मुलाकात कर उन्हें राजकीय चालकों की पॉच सूत्रीय मांगों से अवगत कराते हुए उनके निस्तारण की मांग रखी। अपर मुख्य सचिव ने चालक महासंघ के पदाधि ाकारियों की मांगों विस्तार से सुनने के उपरान्त मांगों पर सहमति जताते हुए जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बैठक में शाहिद अली प्रदेश सलाहकार राजकीय वाहन चालक महासंघ, रिजवान अहमद सिद्दीकी प्रदेश अध्यक्ष, जयप्रकाश त्रिपाठी प्रदेश महामंत्री, वीरेंद्र पांडे प्रदेश मंत्री, रमेश कुमार प्रदेश प्रचार मंत्री सम्मिलित थे। प्रदेश अध्यक्ष रिजवान अहमद ने बताया कि बैठक में अपर मुख्य सचिव के समक्ष मुख्य रूप से ग्रेड वेतन 2000 रूपये, समस्त राजकीय वाहन चालको पर लागू प्रतिशत व्यवस्था समाप्त करते हुए प्रथम नियुक्ति पर वेतनमान 5200–20200 ग्रेड पे 2400, नौ वर्ष की सेवा में प्रथम प्रोन्नत वेतनमान 5200–20200 ग्रेड पे 2800, प्रोन्नति वर्ष 15 पर वेतनमान 9300–34800 ग्रेड पे 4200 और प्रोन्नति वर्ष 18 में वेतनमान 9300–34800 ग्रेड पे 4800 रूपये दिया जाए। आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म कर रिक्त पदों पर भर्ती तथा पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल की जाए। ग्रीष्म कालीन वर्दी भत्ता 1500 रूपये और शीतकालीन वर्दी भत्ता 2600 तथा सिलाई मूल्य महंगाई के अनुरूप दिया जाए। जूता बाजार मूल्य 800 रूपये, कम्बल 600, छत्ता 200 रूपये, वर्दी ध ुलाई भत्ता 100 रूपये तथा छाते के स्थान पर प्रति दो की सेवा में रेनकोट दिया जाए। शासन एवं सरकार द्वारा जारी शासनादेश, आदेश निर्देश सभी विभागों, निदेशालय, निगमों, स्थानीय निकायों कृषि विश्वविद्यालय, प्राविधि क,तकनीकि विश्वविद्यालयों में भी लागू किए जाए।कोई मतदाता ना छूटे– इस उद्देश्य से आज दिनांक 2 दिसंबर 2023 को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग के कैडेट्स ने प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय तथा एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया ए जिसमें विधानसभा निर्वाचन नामावलियों के विशेष पुनरीक्षण–2024 अभियान के अंतर्गत 18 वर्ष से अधिक के मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल किए जाने तथा मतदान के महत्व पर बल दिया गया। महाविद्यालय में बड़ी संख्या में उन छात्राओं का पंजीकरण भी किया जा रहा है जो 18 वर्ष की आयु की हो गई है अर्थात निर्वाचक नामावली में नए युवा मतदाताओं को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रो मंजुला उपाध्याय ने कहा कि सभी नागरिकों के सामूहिक प्रयास से देश सही मायने में विकास की ओर उन्मुख हो सकता है। युवाओं को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी ने कैडेट्स को इस बात के लिए भी प्रेरित किया कि प्रत्येक मत की कीमत होती है। इसलिए देश के बेहतर भविष्य के लिए सभी नागरिकों को सभी चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। 19उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन से नायब सूबेदार जीबी चाको भी इस अभियान में सम्मिलित रहे।कैडेट्स ने स्लोगन तथा पोस्टर के माध्यम से भी वोट के महत्व को समझाने का प्रयास किया।

आनंदीबेन पटेल ने भिक्षा से शिक्षा की ओर कार्यक्रम से जुड़ने के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं का किया आह्वान

लखनऊ(संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन के बड़े लॉन में स्वयं सेवी संस्था 'उम्मीदश द्वारा भिक्षावृत्ति छोड़ चुके 500 बच्चों के प्रोत्साहन के लिए आयोजित 'भिक्षा से शिक्षा की ओर कार्यक्रम के तहत 2 दिवसीय खेल महोत्सव का शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं का आह्वान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समस्त स्वयं सेवी संस्थाओं, कम्पनियों का आह्वान किया कि वे भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों को इस पेशे से विमुक्त करने तथा उन्हें शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए आगे आएं। राज्यपाल ने बताया कि उन्होंने कुलाधि ापति होने के नाते विश्वविद्यालयों को भी इस कार्य में सहयोग करने के लिए कहा है। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि आज राजभवन छोटे बच्चों की किलकारियों से गूंज रहा है। मुझे यहां छोटे–छोटे बच्चों का उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जीवन में खेल बहुत महत्वपूर्ण है। आज हम खेलना भूल गए हैं। अब सिर्फ सर्टिफिकेट प्राप्त करना ही पढ़ाई का उद्देश्य रह गया है। इसलिए खेल के प्रति बच्चों में उत्साह और जागरूकता पैदा करने के लिए इस प्रकार के परंपरागत खेलों का आयोजन आवश्यक हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'खेलो इंडिया का शुभारम्भ किया। इसका लाभ हमारे बच्चों को मिल रहा है। सरकारें खेलों पर करोड़ों रुपया खर्च कर रही हैं। हमारा प्रयास

होना चाहिए कि हमारे बच्चे होनहार होने के साथ–साथ सशक्त हो। उन्होंने कहा कि आज आब–ओ–हवा खराब हो रही है और प्रदूषण बढ़ रहा है। इसलिए हमें अपने आने वाले भविष्य के उज्जवल जीवन के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। आज जो प्रतियोगिताएं यहां चल रही हैं। ऐसे कार्यक्रम चलते रहने चाहिए। कार्यक्रम में महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि सड़कों पर भिक्षा मांगने वाले बच्चों को सड़क से हटाकर उन्हें संबल प्रदान करना, संरक्षण देना तथा शिक्षा से जोड़ना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि सरकार तथा समाज का दायित्व है कि वे उनके अभिभावकों को भी जागरूक करें ताकि भविष्य में वे अपने बच्चों से भिक्षावृत्ति न कराते हुए उन्हें शिक्षा से जोड़े। इस अवसर पर लखनऊ की मेयर श्रीमती सुषमा खकर्वाल, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डा. सुधीर एम. बोबडे, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी, स्वयं सेवी संस्था के पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

उजरियाँव कब्रिस्तान की बदहाली को दुरूस्त कराने की माँग रविदास मेहरोत्रा से मिला सामाजिक संगठनो का प्रतिनिधीमण्डल

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय स्मजिक संगठनो का प्रतिनिधीमण्डल मो आफाक के नेतृत्व मे विधायक रविदास मेहरोत्रा से की मुलाकात कर दी ज्ञापन गँज शाहिदाँ कब्रिस्तान, उजरियाँव, गोमती नगर, लखनऊ जो कि मध्य विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह कब्रिस्तान लंबे समय से बदहाली का शिकार है। कब्रिस्तान की जमीन पर कई लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया हैं और जगह–जगह पर कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल भी क्षतिग्रस्त है। कुछ पूर्व दागी वक्फ माफिया उसपर कब्जा करने की फिराक में लगे हुए हैं जो कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करके उसपर मार्केट, फ्लैट, कमर्शियल कंपलेक्स और दुकान आदि बनाना चाहते हैं। इसकी खबरें कुछ दिन पहले समाचार पत्रों में भी छप चुकी हैं। जिससे क्षेत्र के लोगों में काफी रोष है। कब्रिस्तान की रक्षा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कब्रिस्तान के गेट भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं कब्रिस्तान में बिजली, सड़क व पानी आदि की व्यवस्था भी ठीक नहीं है जिस कारण लोगों को कब्रिस्तान में अपने प्रिय जनों के शव दफनाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सड़क की हालत तो बहुत ही ज्यादा खराब है। यह बातें राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कनवीनर मोहम्मद आफाक के नेतृत्व में क्षेत्रीय विधायक रविदास मेहरोत्रा से मिलने गये सामाजिक संगठनो के एक प्रतिनिधीमण्डल ने कहीं। प्रतिनिधीमण्डल ने क्षेत्रीय विधायक रविदास मेहरोत्रा से माँग की कि कब्रिस्तान की जमीन को वक्फ माफियाओं से बचाने के लिए और लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए कब्रिस्तान में आवश्यक सड़क एवं बिजली पानी आदि की व्यवस्था करवाने के लिए अपनी विकास निधि ा से उपरोक्त आवश्यक कार्य करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें जिसके लिए क्षेत्र की जनता आपकी आभारी रहेगी। प्रतिनिध ीमण्डल में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कनवीनर मोहम्मद आफाक, शराब बन्दी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली, तहफ्फुजे मसाजिद मदारिस दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ समिति के अध्यक्ष हाजी फहीम सिददीकी, मोहम्मद अहमद सचिव, उत्तर प्रदेश मुस्लिम लीग, सैयद अली मुशीर जैदी, डॉ आफताब, इसार फाउण्डेशन के अध्यक्ष मौलाना इरशाद अहमद सिद्दीकी, फरीदा बहन , रोशन जहाँ बेन, शहजादे मंसूर अहमद, तुफैल अख्तर, परवेज अलम,मो मक्की अधि ावक्ता हाइ कोर्ट, सहित विद्वान, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ में सी एफ ए (CFA) इंस्टीटयूट यूनिवर्सिटी एफिलिएशन कार्यक्रम शुरू हुआ

लखनऊ(संवाददाता)। इन्वेस्टमेंट प्रोफेशनल्स के वैश्विक संगठन सी एफ ए (CFA) इंस्टीट्यूट, ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ को ब्थ। इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम (यू ए पीध ¬।च) में शामिल करने की घोषणा की है। यह गठबंधन कुशल प्रबंधकों और नेतृत्वकर्ताओं का विकास करने के आईआईएम लखनऊ के उद्देश्य के अनुरूप किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट उद्योग में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को CFA पदनाम प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जो कि दुनिया में सबसे सम्मानित और मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र है। भारत में CFA प्रोग्राम की बढ़ती माँग के साथ, CFA इंस्टीट्यूट ने भी लखनऊ के साथ ही भारत के 23 शहरों में परीक्षा केंद्र खोलकर देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाई है। यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम के लिए संस्थान या यूनिवर्सिटी को अपने पाठ्यक्रम में कम से कम 70 प्रतिशत ब्थ। प्रोग्राम कैंडिडेट बॉडी ऑफ नॉलेज (सीबॉक) को शामिल करना होता है। इस एफिलिएशन के बाद आईआईएम लखनऊ को ब्थ। इंस्टीट्यूट के साथ काम करने की सुविधा मिलेगी, ताकि कक्षाओं में व्यावहारिक ज्ञान दिया किया जा सके। इससे विद्यार्थियों को तो लाभ मिलेगा ही, और साथ ही वे विभिन्न सत्रों में उद्योग के वैश्विक नेतृत्वकर्ताओं से इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट उद्योग के बारे में बहुमूल्य जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही, उन्हें सीखने के लिए अन्य अद्वितीय अवसर भी प्राप्त होंगे। इसके अलावा, चुनिंदा विद्यार्थियों को CFA परीक्षा के लिए छात्रवृत्ति और शुल्क में भी छूट मिल सकेगी।'डीन, फैकल्टी आईआईएम लखनऊ प्रो. अजय गर्ग ने कहा,' CFA। इंस्टीट्यूट यू ए पी (¬।च) छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हुए, फाइनेंस और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के मामले में क्वालिटी एजुकेशन को बढ़ावा दे रहा है। यह आपसी सहयोग हर गुणों से संपन्न छात्रों को तैयार

करता है, जो छात्रों को बेहतरी पर ध यान केंद्रित करने में मदद करने के साथ–साथ इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट में सर्वश्रेष्ठ बनाने में सहयोग करता है।'कंट्री हेड, इंडिया सी एफ ए (CFA) इंस्टीट्यूट आरती पोरवाल ने कहा,' ष्हमें CFA इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी एफिलिएशन प्रोग्राम के साथ आईआईएम लखनऊ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, और हम इस पार्टनरशिप के तहत होने वाले सहयोग को लेकर उत्साहित हैं। हम इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री और देश की अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए आवश्यक टैलेंट पूल को एकसाथ मिलकर तैयार करने के लिए तत्पर हैं।CFACFA इंस्टीट्यूट के हाल ही में हुए ग्लोबल ग्रेजुएट आउटलुक सर्वे के अनुसार, ष्भारतीय ग्रेजुएट्स के बीच नई आकांक्षाएं देखने को मिली हैं, जो आर्थिक आशावाद को दर्शाता है, जिनमें से लगभग आधे लोग अपने करियर की संभावनाओं पर सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के साथ–साथ करियर में उन्नति के लिए प्रोफेशनल डेवलपमेंट और अपस्किलिंग की अनिवार्य भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। इसलिए आईआईएम लखनऊ जैसे प्रमुख एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, ब्थ। इंस्टिट्यूट जैसे प्रोफेशनल समूहों और इंडस्ट्री को एक साथ आने व उन्हें अपने प्रोफेशनल स्किल्स को तेजी से बढ़ाने तथा भविष्य के लिए तैयार होने के अवसर प्रदान करने की सख्त आवश्यकता है।'डीन, प्रोग्राम्स आईआईएम लखनऊ, प्रो. विकास श्रीवास्तव ने कहा,' ष्यह साझेदारी हमारे प्रमुख एमबीए प्रोग्राम को और अधिक समृद्ध बनाती है, जो छात्रों को शुरुआती फाइनेंसियल स्किल्स और सीखने के अलग–अलग अवसरों के साथ अधिक सशक्त बनाने का काम करती है। ब्थ। इंस्टीट्यूट के साथ जुड़कर, यह छात्रों को गतिशील और प्रासंगिक शिक्षा सुनिश्चित कराते हुए आवश्यक नॉलेज, स्किल्स और इंडस्ट्री लीडरशिप क्षमताओं को प्राप्त करने के साधनों से लैस करती है।

उजरियाँव कब्रिस्तान की बदहाली को दुरूस्त कराने की माँग को लेकर रविदास मेहरोत्रा से मिला सामाजिक संगठनो का प्रतिनिधिमण्डल

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्मजिक संगठनो का प्रतिनिध ीमण्डल मो आफाक के नेतृत्व मे विधायक रविदास मेहरोत्रा से की मुलाकात कर दी ज्ञापन गँज शाहिदाँ कब्रिस्तान, उजरियाँव, गोमती नगर, लखनऊ जो कि मध य विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह कब्रिस्तान लंबे समय से बदहाली का शिकार है। कब्रिस्तान की जमीन पर कई लोगों ने अवैध ा कब्जा कर लिया हैं और जगह–जगह पर कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल भी क्षतिग्रस्त है। कुछ पूर्व दागी वक्फ माफिया उसपर कब्जा करने की फिराक में लगे हुए हैं जो कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करके उसपर मार्केट, फ्लैट, कमर्शियल कंपलेक्स और दुकान आदि बनाना चाहते हैं। इसकी खबरें कुछ दिन पहले समाचार पत्रों में भी छप चुकी हैं। जिससे क्षेत्र के लोगों में काफी रोष है। कब्रिस्तान की रक्षा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कब्रिस्तान के गेट भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं कब्रिस्तान में बिजली, सड़क व पानी आदि की व्यवस्था भी ठीक नहीं है जिस कारण लोगों को कब्रिस्तान में अपने प्रिय जनों के शव दफनाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सड़क की हालत तो बहुत ही ज्यादा खराब है। यह बातें राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कनवीनर मोहम्मद आफाक के नेतृत्व में क्षेत्रीय विधायक रविदास मेहरोत्रा से मिलने गये सामाजिक संगठनो के एक प्रतिनिधीमण्डल ने कहीं। प्रतिनिधीमण्डल ने क्षेत्रीय विधायक रविदास मेहरोत्रा से माँग की कि कब्रिस्तान की जमीन को वक्फ माफियाओं से बचाने के लिए और लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए कब्रिस्तान में आवश्यक सड़क एवं बिजली पानी आदि की व्यवस्था करवाने के लिए अपनी विकास निधि से उपरोक्त आवश्यक कार्य करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें जिसके लिए क्षेत्र की जनता आपकी आभारी रहेगी।

प्रतिनिधीमण्डल में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कनवीनर मोहम्मद आफाक, शराब बन्दी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली, तहफ्फुजे मसाजिद मदारिस दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ समिति के अध यक्ष हाजी फहीम सिददीकी, मोहम्मद अहमद सचिव, उत्तर प्रदेश मुस्लिम लीग, सैयद अली मुशीर जैदी, डॉ आफताब, इसार फाउण्डेशन के अध्यक्ष मौलाना इरशाद अहमद सिद्दीकी, फरीदा बहन , रोशन जहाँ बेन, शहजादे मंसूर अहमद, तुफैल अख्तर, परवेज अलम,मो मक्की अधिवक्ता हाइ कोर्ट, सहित विद्वान, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

शक में पत्नी का गला काटकर मार डाला

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले में पत्नी पर शक करने वाले एक पति ने बेडरूम में उसकी गला काटकर हत्या कर दी। पति मौके से फरार हो गया। वहीं मां की चीख सुनकर 8 साल की बेटी दौड़कर कमरे में पहुंची तो मां लहूलुहान जमीन पर पड़ी तड़प रही थी। बच्ची ने आवाज देकर घर के लोगों को वहां बुलाया। आनन–फानन में पुलिस को बुलाया गया। महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ये वारदात कोतवाली इलाके के भुजपुरा की है। पुलिस ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी पति राजू फरार है। उसकी तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। राजू की 15 साल पहले सागरा से निकाह हुआ था। पारिवारिक विवाद में हत्या की बात सामने आ रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महफूजनगर निवासी नजर मोहम्मद ने बताया कि उनकी छोटी बहन सागरा का निकाह लगभग 15 साल पहले भुजपुरा इलाके के राजू से हुआ था। शादी के बाद उनके दो बच्चे भी हैं। भाई ने बताया कि बुधवार शाम को उन्हें रिश्तेदारों से ही पता कि आपके बहनोई ने आपकी बहन की हत्या कर दी है। इसके बाद वह भाग गया। इसके बाद हम लोग सीधे बहन के ससुराल पहुंचे। घर के अंदर वाले कमरे में बहन का शव पड़ा हुआ था और पुलिस मौजूद थी। भाई ने बताया कि उसका बहनोई कोई जॉब नहीं करता था। उसकी बहन ही मजदूरी करके घर चलाती थी। बहनाई राजू को शक था कि उसकी पत्नी के संबंध उसके बड़े भाई से हैं। इसको लेकर दोनों के बीच झगड़े भी होते थे। लेकिन, ये नहीं सोचा था कि मामला हत्या करने तक पहुंचा जाएगा। घटना के समय सागरा की 8 साल की बेटी घर पर ही थी। राजू ने हत्या करने से पहले उसको छत पर भेज दिया और फिर अपनी पत्नी को मार डाला। मां की चीखें सुनकर जब मासूम नीचे आई तो उसने देखा कि उसकी मां बिस्तर पर पड़ी हुई है। हर तरह खून ही खून है। मासूम ने बताया कि उसके अब्बू आए दिन उसकी मां से झगड़ा करते थे। बुधवार को भी झगड़ा हुआ था। घटना की जानकारी होने पर कोतवाली पुलिस के साथ ही एसपी सिटी मृगांग शेखर पाठक मौके पर पहुंचे। पुलिस के साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस को मौके से हत्या करने के लिए इस्तेमाल किया गया हथियार नहीं मिला है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी मौके से फरार हो गया और और उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। सीओ प्रथम अभय कुमार पांडेय ने बताया कि घटना के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी सिटी ने पुलिस की 3 टीमों का गठन किया है, जो आरोपी की तलाश कर रही हैं। अलीगढ़ के बॉर्डर एरिया को सील किया गया है। ताकि राजू बाहर न भाग सके।

सवारियों से भरी बस लेकर इमरजेंसी में घुसा ड्राइवर,जहर खुरानी ने सवारी को कर दिया था बेहोश

अलीगढ़,(संवाददाता)। अलीगढ़ में मरीज की जान बचाने के लिए इमरजेंसी में वाहन घुसाने के एक के बाद एक दो मामले सामने आए हैं। जेएन मेडिकल कालेज के साथ ही मलखान सिंह जिला अस्पताल में भी ऐसी ही घटना हुई है। जिसमें रोडवेज बस के ड्राइवर ने सवारी की जान बचाने के लिए बस को इमरजेंसी में अंदर लगा दिया। ड्राइवर दिल्ली से बस लेकर अलीगढ़ आ रहा था और उसे बस लेकर आगे जाना था। लेकिन अलीगढ़ के कठपुला पुल पर उसे पता चला कि एक सवारी बेहोश है और उसके मुंह से झाग निकल रहा है। जिसके बाद ड्राइवर ने बिना सोचे समझे बस को सीधे जिला अस्पताल की इमरजेंसी में अंदर घुसा दिया। जिसके बाद मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने मरीज को उपचार देकर उसकी जान बचाई। हाथरस के कस्बा सादाबाद निवासी आशू पुत्र कोमल सिंह दिल्ली में नौकरी करते हैं। बुधवार देर रात को वह दिल्ली के लालकुंआ से हाथरस जाने के लिए बस में बैठे थे। रास्ते में उन्हें बातों में उलझाकर जहर खुरानों ने जहर दे दिया। जिसके बाद वह बेहोश हो गए। अलीगढ़ आने पर सवारियां उतरने लगी तो यह बात रोडवेज बस के कंडक्टर विनोद कश्यप को पता चली। जिसके बाद उन्होंने सवारी को जाकर देखा तो वह नशे की हालत में बेहोश पड़ा हुआ था। उन्होंने तत्काल यह बात ड्राइवर को बताई और सीधे अस्पताल चलने के लिए बोल दिया। जिसके बाद ड्राइवर ने सवारियों से भरी बस को सीधे इमरजेंसी में लगा दिया। इमरजेंसी में अचानक बस आने से अफरा तफरी मच गई। देर रात अस्पताल में मौजूद डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ भौचक्का हो गए। उन्हें ऐसा लगा कि कोई बड़ी घटना

हुई है, जिसके कारण रोडवेज बस का ड्राइवर पूरी बस को ही इमरजेंसी के अंदर लेकर आ गया है। जब उन्हें पता चला कि जहर खुरानी ने एक व्यक्ति को जहरीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया है, तब जाकर उन्होंने राहत की सांस ली। कंडक्टर विनोद कुमार ने बताया कि बेहोश हुए आशू के बगल में एक व्यक्ति बैठा हुआ था। उसने अलीगढ़ तक का टिकट लिया था, लेकिन वह गभाना के पास ही उतर गया था। उन्हें संदेह है कि उसी व्यक्ति ने सवारी को जहर देकर लूट की है। वहीं होश में आने के बाद आशू ने बताया कि उनकी जेब में रखे 10800 रुपए गायब हैं। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इंस्पेक्टर बन्नादेवी देवेंद्र त्यागी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हत्या की साजिश रच रहे लोगों की जमानत रद्द

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले में अपराधियों को सुपारी (रुपए) देकर गंभीर अपराध की साजिश रचने वालों की अग्रिम जमानत याचिका को न्यायालय ने रद्द कर दिया है। पुलिस की जांच में दोनों आरोपियों के नाम सामने आए थे, जिसके बाद पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही थी। पुलिस की कार्रवाई से पहले दोनों आरोपियों ने न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका लगा दी थी। लेकिन न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुना और पाया कि आवेदकों के तर्क और प्रस्तुत साक्ष्य जमानत के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जिसके बाद विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट प्रवीण कुमार पांडेय ने दोनों की जमानत के आवेदन को रद्द कर दिया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता प्रमेंद्र जैन ने बताया कि देहलीगेट पुलिस ने 31 अक्टूबर को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। नगला मेहताब निवासी राजकुमार पुत्र स्व. पवन कुमार की तहरीर पर यह मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित ने बताया था कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे कॉल करके गूलर रोड पर बुलाया था। फोन पर बात होने के बाद वादी राजकुमार व्यक्ति से मिलने गूलर रोड पेट्रोल पंप पर गया था। जिसके बाद उस व्यक्ति ने वादी को बताया कि कोई व्यक्ति उसे जान से मारने की साजिश कर सकता है और वह सतर्क रहे। क्योंकि कभी भी उसे जान से मारने की कोशिश की जा सकती है। इसके बाद पीड़ित ने देहलीगेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने 31 अक्टूबर 2023 को ही मुकदमा दर्ज कर लिया था। जिसके बाद पुलिस की जांच में आकाश कुमार पुत्र दिलीप कुमार निवासी नगला मेहताब, खैर रोड और लक्की सरदार पुत्र गुरमीत सिंह निवासी इंद्रानगर परी तालाब का नाम सामने आया था। दोनों आरोपियों को जब मामले की जांनकारी हुई तो इन्होंने अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में याचिका लगाई थी। आरोपियों ने न्यायालय के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया कि उन्हें रंजिशन फंसाया जा रहा है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, नोएडा का रहने वाला था मृतक

अलीगढ़,(संवाददाता)। जिले के सोमना रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। युवक नोएडा का रहने वाला था और ट्रेन में सवार होकर प्रयागराज की ओर जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही वह ट्रेन से गिर गया और उसकी मौत हा गई। युवक का शव सोमना रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर पड़ा हुआ था। लोगों ने शव देखकर रेलवे कर्मियों को सूचना दी, जिसके बाद जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। मौके पर शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। जांच में उसकी जेब से मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान हुई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव मिलने की सूचना पर खुर्जा चौकी इंचार्ज ब्रजमोहन सिंह मौके पर पहुंच गए। जब शव की जांच की गई तो उसकी जेब से कुछ कागज और पहचान पत्र पुलिस को मिला। जिसके बाद युवक की पहचान गौतमबुद्धनगर (नोएडा) के थाना जेवर के गांव कुरैब निवासी मोहित के रूप में हुई है।

राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में मधुमेह दिवस आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के जेएन मेडिकल कालिज के राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी ने विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर 'अपडेट्स इन टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, केंद्र के निदेशक डॉ. हामिद अशरफ ने कहा कि भारत में दुनिया में टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित बच्चों की संख्या सबसे अधिक है, और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से अधिकांश रोगियों की मृत्यु 30 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है। उन्होंने कहा कि टाइप 1 मधुमेह का प्रबंधन चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी सेंटर फॉर डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी में टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस के लिए उत्कृष्टता केंद्र, नोवो नॉर्डिस्क एजुकेशन फाउंडेशन के सहयोग से द्वारा समर्थित, 18 वर्ष से कम उम्र के रोगियों को मुफ्त इंसुलिन और एक इंसुलिन पेन प्रदान करा रहा है।

ने टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित महिला मदीहा ने अपनी यात्रा के बारे में एक प्रस्तुति दी, और उसके बाद टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों के लिए एक प्रश्नोत्तरी (मिथक बनाम तथ्य) आयोजित की गई। इस अवसर पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसमें प्रोफेसर जमाल अहमद, पूर्व डीन फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, डॉ. आसिम सिद्दीकी, सलाहकार एंडोक्रिनोलॉजिस्ट, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली, डॉ. सैयद मोहम्मद रजी, सलाहकार एंडोक्रिनोलॉजिस्ट, श्री साई अस्पताल, मोरादाबाद और डॉ. अरशद बारी, सहायक प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग ने भाग लिया। प्रोफेसर जमाल अहमद ने विभिन्न प्रकार के मधुमेह मेलिटस, टाइप 1 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में आजीवन इंसुलिन की आवश्यकता, इंसुलिन के प्रकार और हाइपोग्लाइसीमिया के प्रबंधन पर चर्चा की। डॉ. आसिम सिद्दीकी ने मधुमेह मेलेटस के लक्षणों और इंसुलिन वितरण उपकरणों, टाइप 1 मधुमेह मेलेटस के प्रबंधन में नवीनतम तकनीकी प्रगति और मधुमेह की दीर्घकालिक जटिलताओं पर चर्चा की। डॉ. सैयद मोहम्मद रजी ने टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस के जोखिम कारकों, रक्त ग्लूकोज की निगरानी कैसे करें, उपचार के लक्ष्य, टाइप 1 डायबिटीज वाले रोगियों में आहार और टाइप 1 डायबिटीज मेलिटस वाले रोगियों में उत्पन्न होने वाले आकस्मिक मुद्दों पर चर्चा की। डॉ. अरशद बारी ने बढ़े हुए रक्त ग्लूकोज के प्रबंधन में व्यायाम की भूमिका, टाइप 1 मधुमेह के रोगियों द्वारा खेले जाने वाले खेलों के प्रकार, टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों पर स्क्रीन टाइम का प्रभाव, विभिन्न प्रकार के व्यायाम और व्यायाम के दौरान सावधानियों पर चर्चा की। एएमयू के बाल रोग विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. आयशा अहमद ने पैनल चर्चा का संचालन किया।

कार्यक्रम में टाइप 1 मधुमेह से पीड़ित 100 से अधिक रोगियों ने अपने माता–पिता के साथ भाग लिया। निदेशक डा. हामिद अशरफ ने मरीजों को उत्कृष्ट देखभाल प्रदान करने के लिए प्रो. एस.एस. सिद्दीकी और डॉ. अहमद आलम और श्री सैयद फखरुल हेजाज आजमी और युसरा जाकिर (मधुमेह शिक्षक) सहित अपने सहयोगियों और स्टाफ सदस्यों को रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

भारतीय भाषा उत्सव आयोजित

अलीगढ़(संवाददाता)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग ने भारत की भाषाई विविधता को प्रदर्शित करते हुए भारतीय भाषा उत्सव मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत देश की समृद्ध भाषाई टेपेस्ट्री को दर्शाने वाले पोस्टर प्रदर्शन के साथ हुई। विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एम जे वारसी ने स्वदेशी भाषाओं के संरक्षण और प्रचार के महत्व पर जोर दिया और उपथितजनों से अपनी मातृभाषाओं पर गर्व करने का आग्रह किया।

जनसत्तादल कासगंज की कार्यकारिणी का विस्तार

कासगंज (सुनील कुमार)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के आवास विकास स्थित कार्यालय पर दिनांक 3 दिसंबर 2023 को शैलेंद्र कुमार मिश्रा जिला अध्यक्ष जनसत्ता दल कासगंज ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए धर्मवीर शर्मा को जिला सचिव राघव मिश्रा को जिला कार्यकारिणी सदस्य विष्णु कुमार महेश्वरी को जिला उप सचिव शोभित गॉड नगर अध्यक्ष सोरों मनोनीत किया।

वहीं जिला अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा ने कार्यकारी का विस्तार करते हुए मीडिया को अवगत कराया की जनसत्ता दल किसान मजदूर के हित के लिए बना है और निरंतर यह है किसान मजदूर के हित में कार्य करता रहेगा

इस अवसर पर विजय पंडित जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ संजीव त्रिवेदी सक्रिय सदस्य आशीष मिश्रा मीडिया प्रभारी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 दिसम्बर से सोरों में मेला मार्गशीर्ष का होगा शुभारंभ

एकरूपता और भव्यता के साथ लगवाया जाये मेला –जिलाधिकारी

कासगंज (सुनील कुमार)। जिला धिकारी सुधा वर्मा ने कहा कि सोरों नगर क्षेत्र में 20 दिसम्बर से होने वाले मेला मार्गशीर्ष को एकरूपता और भव्यता के साथ लगवाया जाये। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था सहित वाहनों की पार्किंग, प्रकाश एवं सफाई, शौचालय, स्नान, पेयजल, अग्निशमन, आदि की समुचित व्यवस्थायें गोरहा माइनर गूल से श्री गंगाजी हरि की पौड़ी में निरन्तर जलापूर्ति, मेला मार्गशीर्ष में सर्दी, जुकाम बुखार आदि से बचाव हेतु चिकित्सीय कैम्प, लगवायें जाये। मेला मार्गशीर्ष अवधि में निरन्तर विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था, मेले में आये गंगास्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु पुलिस व्यवस्था मेले में आये तीर्थयात्री गंगास्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु पुलिसध्पी0ए0सी गोताखोर, मेला अवधि में राजमार्ग एवं मेला प्रांगण में जाम की स्थिति से बचाव हेतु व्यवस्था एवं मेला अवधि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कृषि सम्मेलन नाट्य प्रस्तुति, विधिक सेवा प्राधिकरण, स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुति, महिला सशक्तीकरण आदि। मेला मार्गशीर्ष के अवसर पर राज्य सरकार योजनाओं पर एलईडी लगाने के लिए प्रचार प्रसार मीडिया कैम्प आदि पर चर्चा की गयी।

जिलाधिकारी सुधा वर्मा ने कहा कि मेले में सफाई व्यवस्था हेतु टैक्टर, पानी टैंकर, मोबाइल टॉयलेट आदि की उपलब्धता समय से करा ली जाये। मेले में मादक पदार्थों की बिक्री आदि को प्रतिबन्धित कराया जायें, मेले में व्यवस्था अच्छे ढंग से कराई जाये।

नगर पालिका सोरों द्वारा मेले की समस्त व्यवस्थायें पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराई जायें। मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगवायें। मेला क्षेत्र में 50 केवी का अस्थायी कनेक्शन स्वीकृत कराकर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति की जाये। वराह मन्दिर व सभी मंदिरों प्रमुख चौराहो पर व्यापक लाईट व्यवस्था की जाये। विद्युत आपूर्ति हेतु लगाये गये पोल व तार किसी हादसे का कारण ना बनें इसकी विशेष निगरानी की जाये। वॉटर कूलर अभी से चेंक करा लिये जायें यदि कुछ खराबी है तो ठीक कराया जाये।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिये मेला परिसर में चिकित्सा शिविर सीएचसी सोरों में बेड रिर्जव रखे जायें साथ ही जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाये। मेले में दुकाने सुव्यवस्थित तरीके से लगवायी जाये प्रत्येक दुकानदार के लिये स्थान चिन्हित हो। मेले में सफाई व्यवस्था हेतु रोस्टरवार के साथ क्षेत्र व स्थानवार लोगों को तैनात किया जाये जिससे सफाई कर्मी को ढूंढना ना पड़े। जगह–जगह डस्टबिन रखवाये जायें। नागा साधुओं की सुविधा के लिये नगर पालिका द्वारा पहले से जगह चिन्हित कर दी जाये। एआरटीओ व एआरएम रोडवेज मेला अवधि में रोडवेज बसों और अन्य वाहनों के लिये पार्किंग स्थल एवं रूट निर्धारित कर श्रद्धालुओं के लिये अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करायें। सभी व्यवस्थाये समय से पूर्ण कर ली जाये। 22 से 25 तक रहेगा स्नान 26 दिसम्बर को पूर्णिमा पर विशेष स्नान होगा।

पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा मेला परिसर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुये बताया कि मेले में अस्थायी चौकी तथा वॉच टॉवर का निर्माण करा कर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा फायर ब्रिगेड की व्यवस्था की जायेगी। इसके अतिरिक्त खोया –पाया केन्द्र, गोताखोरों की व्यवस्था, मुख्य स्नानों पर रूट डायवर्जन भी किया जायेगा। शोभा यात्रओ के लिये अलग से पुलिस व्यवस्था की जायेगी।

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष के0पी0 सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष रामेश्वर दयाल महेरे, अपर जिलाधिकारी वैभव शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार दूबे, जिला विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी कासगंज, एआरटीओ, जिला पूर्ति अधिकारी, ईओ नगर पालिका उप्रेन्द्र मिश्रा, सुरेश चन्द्र पटियात, हेमन्त त्रिगुणायत, व सम्भ्रान्त गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अपराध नियंत्रण की दिशा में गंजडुण्डवारा पुलिस द्वारा 1 वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कासगंज (सुनील कुमार)। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज जितेन्द्र कुमार दुबे के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों में वारण्टी व वांछित अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, क्षेत्राधिकारी पटियाली दीप कुमार पंत के नेतृत्व में आज दिनांक 03 दिसम्बर 2023 को मुखबिर खास की सूचना पर थाना गंजडुण्डवारा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 371ध्2023 धारा 406 भादवि में वांछित 01 अभियुक्त कृष्णगोपाल अग्रवाल पुत्र नारायन अग्रवाल निवासी नई बस्ती शिवगंज कोतवाली नगर जनपद एटा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की, अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर अपना दल (एस)का एक प्रतिनिधिमंडल उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके निज निवास पर मिला

कासगंज (सुनील कुमार)। जिलाध्यक्ष अपना दल (एस) शमीम अहमद अल्वी के नेंतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मा0 केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन से उनके निज निवास लखनऊ पर जाकर मिला दिनांक 05 दिसम्बर 2023 दिन मंगलवार को मिला मा0 उपमुख्यमंत्री से मिलकर किसानों की समस्याओं को अवगत कराया। कासगंज के किसानों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।मा0 केशव प्रसाद मौर्य उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन ने तत्काल प्रभाव से जनपद कासगंज के उच्च अधिकारियों से फोन वार्ता कर समस्याओं का निस्तारण जल्द से जल्द कराने के निर्देश दिए,वही लखनऊ प्रतिनिधिमण्डल में प्रमुख रूप से उपस्थित जिलाध्यक्ष शमीम अहमद अल्वी,जिला उपाध्यक्ष राम प्रकाश वर्मा, जिला महासचिव अफजल अव्वासी, जिला कार्यकारिणी सदस्य शंकर लाल वर्मा, अध्यक्ष विधान सभा कासगंज अजब सिंह वर्मा सहित अन्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र **जन नायक सम्राट** के लिये जिला ब्यूरो चीफ, मण्डल ब्यूरो चीफ, ब्लॉक ब्यूरो एवं संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें–
अमित कुमार वर्मा
सम्पादक
मो. 8218049162, 8273402499

जन नायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंग प्रेस, अचल ताल, अलीगढ़ से मुद्रित कराकर कार्यालय सरोज नगर, गली नम्बर 5, अलीगढ़ से प्रकाशित।
सम्पादक
अमित कुमार वर्मा
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायालय ही होगा।